सांध्य दैनिक
4PM
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 8 ● अंक: 218 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार, 17 सितम्बर, 2022
मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

हम तीन तरीकों से ज्ञान अर्जित कर सकते हैं। पहला, चिंतन करके, जो कि सबसे सही तरीका है। दूसरा, अनुकरण करके, जो कि सबसे आसान है और तीसरा अनुभव से, जो कि सबसे कष्टकारी है। -कन्फ्यूशियस

हॉर्स ट्रेडिंग का नया मॉडल देश में... 7 | प्रदेश में सियासी जमीन मजबूत करने... 3 | अखिलेश ने आजम खां को सम्मेलन... 2

जन्मदिन पर प्रधानमंत्री मोदी ने दिया तोहफा

भारत में फिर दिखेगी चीतों की रफ्तार, पीएम बोले, पर्यावरण रक्षा के साथ देश कर रहा विकास

» दशकों तक चीतों के पुनर्वास के लिए नहीं किए गए प्रयास, हमने जोड़ी जैव विविधता की टूटी कड़ी

» नामीबिया से आए चीतों को प्रधानमंत्री ने एमपी के कूनो नेशनल पार्क में छोड़ा लीं तस्वीरें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

ग्वालियर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज अपने जन्मदिन पर देश को अनोखा तोहफा दिया। उन्होंने नामीबिया से आए चीतों को मध्य प्रदेश के कूनो-पालपुर नेशनल पार्क में बने क्वारंटाइन बाड़ों में छोड़ा। इसके साथ ही 70 साल बाद एक बार फिर भारत की धरती पर चीतों की रफ्तार देखने को मिलेगी। पीएम ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हमने 1952 में देश से चीतों को विलुप्त घोषित कर दिया लेकिन दशकों तक उनके पुनर्वास के लिए कोई सार्थक प्रयास नहीं किया। आज जब हम आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं तो देश ने एक नई ऊर्जा के साथ चीतों का पुनर्वास करना शुरू किया है। उन्होंने कहा कि प्रोजेक्ट चीता पर्यावरण और वन्यजीव संरक्षण की दिशा में हमारा प्रयास है।

उन्होंने कहा, आज 21वीं सदी का भारत, पूरी दुनिया को संदेश दे रहा है कि इकोनामी और ईकोलॉजी कोई विरोधाभाषी क्षेत्र नहीं हैं। पर्यावरण की रक्षा के साथ ही देश का विकास भी हो सकता है, ये भारत ने दुनिया को करके भी दिखाया है। समय का चक्र हमें अतीत को सुधारकर नए भविष्य के निर्माण का मौका देता है। आज सौभाग्य से हमारे सामने ऐसा ही क्षण है। दशकों पहले जैव विविधता की जो कड़ी टूट गई थी, आज उसे जोड़ने का हमें मौका मिला है। आज भारत की धरती पर चीता लौट आए हैं।

ऐसे लाए गए चीते

पांच मादा और तीन नर चीतों को लेकर विमान ने नामीबिया की राजधानी होसिया से उड़ान भरी थी। मॉडिफाइड बोइंग 747 विमान से लाए गए इन चीतों में रेडियो कॉलर लगे हुए हैं। करीब आठ हजार किलोमीटर की यात्रा करके ये चीते आज सुबह ग्वालियर में उतरे। ग्वालियर से इन्हें विशेष चिनूक हेलिकॉप्टर से मध्य प्रदेश के कूनो नेशनल पार्क लाया गया। जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चीतों को वहां बनाए गए विशेष बाड़ों में छोड़ा और उनकी तस्वीरें भी लीं। ये चीते 30 दिन तक क्वॉरंटीन रहेंगे। इस दौरान उनके स्वास्थ्य और अन्य गतिविधियों पर नजर रखी जाएगी। सब कुछ ठीक रहा तो तीस दिन बाद सभी चीतों को जंगल में छोड़ दिया जाएगा। वहीं दक्षिण अफ्रीका से भी चीता लाने के लिए सरकार की बात लगभग पूरी हो चुकी है। जल्द ही यहां से भी चीते लाए जाएंगे। सरकार की योजना अगले पांच साल तक अफ्रीका के अलग-अलग देशों से चीते लाकर भारत में बसाने की है।

दीदार को करना होगा इंतजार

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पर्यटकों और उत्साही लोगों को जंगल में चीतों को देखने के लिए अभी कुछ महीने इंतजार करना होगा। चीतों को अपने नए घर में ढलने के लिए कुछ समय चाहिए। ये चीते अनजान इलाके में मेहमान बनकर आए हैं। कूनो राष्ट्रीय उद्यान को अपना घर बनाने में सक्षम होने के लिए हमें इन चीतों को कुछ महीने का समय देना होगा।

कांग्रेस का दावा

कांग्रेस पार्टी ने दावा किया था कि प्रोजेक्ट चीता के प्रस्ताव को मनमोहन सिंह की सरकार के शासनकाल में स्वीकृति मिली थी। पार्टी ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल के जरिए ट्वीट कर कहा, प्रोजेक्ट चीता का प्रस्ताव 2008-09 में तैयार हुआ। मनमोहन सिंह की सरकार ने इसे स्वीकृति दी। अप्रैल 2010 में तत्कालीन वन एवं पर्यावरण मंत्री जयराम रमेश अफ्रीका के चीता आउट रीच सेंटर गए। 2013 में सुप्रीम कोर्ट ने प्रोजेक्ट पर रोक लगाई, 2020 में रोक हटी।

छत्तीसगढ़ में आखिरी बार देखा गया था चीता

छत्तीसगढ़ के कोरिया के साल वन में 1947 में आखिरी बार चीता देखा गया था। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि अत्यधिक शिकार के कारण देश में विलुप्त हो चुके चीते को वापस लाकर भारत पारिस्थितिकी असंतुलन को दूर कर रहा है। पांच मादा और तीन नर चीतों को नामीबिया की राजधानी विंडहोक से विशेष मालवाहक विमान बोइंग 747-400 के जरिए ग्वालियर हवाई अड्डे पर लाया गया।

विधान सभा का मानसून सत्र 19 से अनुपूरक बजट पेश कर सकती सरकार

» कल होगी सर्वदलीय बैठक, सीएम योगी और विपक्ष के विधायक रहेंगे मौजूद

» पांच दिन चलेगा सत्र विभिन्न विधेयकों को पटल पर रखेगी सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी विधान सभा का मानसून सत्र 19 सितंबर से शुरू होगा। कल सर्वदलीय बैठक की जाएगी जिसमें सीएम योगी आदित्यनाथ समेत अन्य विपक्षी दलों के नेता भी शामिल होंगे। इस सत्र में सरकार अनुपूरक बजट ला सकती है।

इस बार पांच दिवसीय सत्र का आयोजन किया जा रहा है जो 19 सितंबर से 23 सितंबर तक चलेगा। मानसून सत्र में सीएम योगी आदित्यनाथ समेत अन्य विपक्षी दलों के नेता शामिल होंगे। पहले दिन सदन में निधन निर्देश पारित किए जाएंगे। 20 को औपचारिक कार्य किए जाएंगे और विभिन्न विधेयकों को सरकार सदन के पटल पर रखेगी। अगले तीन दिनों विधाई कार्यों और अन्य मुद्दों पर बात की जाएगी।

अमानतुल्लाह की गिरफ्तारी पर केजरीवाल का भाजपा पर हमला, कहा

गुजरात में हो गई है ज्यादा तकलीफ अभी और विधायक होंगे गिरफ्तार

» एसीबी ने अमानतुल्लाह को किया है गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ओखला से आम आदमी पार्टी के विधायक और वक्फ बोर्ड के चेयरमैन अमानतुल्लाह खान की गिरफ्तारी पर चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए खान की गिरफ्तारी को गुजरात चुनाव से जोड़ा। उन्होंने कहा कि अभी कई और विधायक गिरफ्तार किए जा सकते हैं।

केजरीवाल ने दारूबाज मेहता नाम के एक हैंडल से किए ट्वीट को रिट्वीट करते हुए लिखा, पहले इन्होंने सत्येंद्र जैन को गिरफ्तार किया। कोर्ट के पूछने पर भी ये कोई सबूत पेश नहीं कर पा रहे। फिर मनीष के घर रेड की, कुछ नहीं मिला। अब अमानतुल्लाह को गिरफ्तार किया है, अभी और भी कई एमएलए को गिरफ्तार करेंगे। गुजरात में लगता है इन्हें तकलीफ बहुत ज्यादा हो रही है। गौरतलब है कि एसीबी ने अमानतुल्लाह को भ्रष्टाचार के मामले में गिरफ्तार किया है।

अखिलेश ने आजम खां को सम्मेलन में आने का दिया न्योता!

» सपा प्रमुख ने दिल्ली पहुंचकर बीमार आजम खां से की मुलाकात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव शुक्रवार को आजम खान का हाल जानने दिल्ली पहुंचे। आजम पिछले 3 दिन से गंगा राम अस्पताल में भर्ती थे। आज वह डिस्चार्ज होकर यूपी सदन दिल्ली के सरकारी आवास पहुंच गए। उनकी इस मुलाकात के अब कई राजनीतिक मायने निकाले जा रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक मुलाकात के दौरान अखिलेश ने आजम खान को 28 सितंबर को राज्य और 29 सितंबर को राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने के लिए निमंत्रण भी दिया है। उम्मीद जताई जा रही है कि मुलायम सिंह यादव सम्मेलन में शामिल हो सकते हैं।

वहीं इस अधिवेशन में अखिलेश दोबारा राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने जाएंगे। पिछली बार 2017 में अधिवेशन में अखिलेश को पहली बार पार्टी की कमान सौंपी गई थी। जून में राष्ट्रपति चुनाव को लेकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने विधायकों की बैठक बुलाई थी लेकिन बैठक में रामपुर सदर से विधायक आजम खान नहीं पहुंचे थे।

फाइल फोटो

इससे पहले योगी सरकार बनने के बाद 23 मई से पहला विधानसभा सत्र शुरू होने से पहले योगी सरकार को घेरने के लिए सपा ने विधानमंडल दल की बैठक बुलाई थी। इस बैठक में भी सपा विधायक आजम खान और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम शामिल नहीं हुए थे। ऐसे में अखिलेश की आजम खान के साथ मुलाकात को अहम माना जा रहा है।

28 को राष्ट्रीय सम्मेलन, 29 को राज्य सम्मेलन

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने समाजवादी पार्टी का राष्ट्रीय व राज्य सम्मेलन बुलाया है। ये दो दिनी सम्मेलन लखनऊ में आयोजित होंगे। यह पार्टी का 11वां सम्मेलन होगा। जानकारी के मुताबिक राष्ट्रीय सम्मेलन 28 सितंबर और राज्य सम्मेलन 29 सितंबर को होगा। सम्मेलनों में प्रदेश अध्यक्ष और राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के अलावा लोकसभा चुनाव 2024 के सम्बंध में चर्चा होगी। इसके अलावा सम्मेलन में देश, प्रदेश की राजनीतिक, आर्थिक स्थिति पर प्रस्ताव पारित किया जाएगा। मालूम हो कि सपा ने राष्ट्रीय अध्यक्ष और प्रदेश अध्यक्ष के पद को छोड़कर अन्य सभी कमेटियां भंग कर दी हैं। पार्टी अभी बड़े पैमाने पर सदस्यता अभियान चला रही है। प्रदेश कार्यालय में करीब 50 विधानसभा क्षेत्र की सदस्यता अभियान से जुड़ी रसीद जमा हैं।

बीजेपी के कारनामों पर सम्मेलनों में होगी चर्चा

अखिलेश यादव ने सम्मेलनों की घोषणा करते हुए कहा था कि जिस तरह से बीजेपी ने राजनीतिक एवं आर्थिक संकट पैदा किया है और लोकतांत्रिक व्यवस्था के साथ खिलवाड़ किया है। इन सम्मेलनों में राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर लोकतांत्रिक संस्थाओं को बीजेपी द्वारा कमजोर किए जाने, अर्थव्यवस्था में भारी गिरावट, राजनीतिक दल-बदल को बढ़ावा देने और सामाजिक सद्भाव को खतरे में डालने पर भी विशेष चर्चा होगी। इसके अलावा यूपी में कानून व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति, शिक्षा-स्वास्थ्य क्षेत्र की बदहाली, बढ़ते भ्रष्टाचार और किसानों-नौजवानों के साथ धोखा आदि मसलों पर राजनीतिक-आर्थिक प्रस्तावों के जरिये प्रकाश डाला जाएगा।

ओम प्रकाश राजभर की पार्टी में भगदड़ जारी

» सुभासपा के प्रदेश महासचिव समेत 50 पदाधिकारियों ने दिया इस्तीफा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी से गठबंधन टूटने के बाद से सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी यानी सुभासपा में भगदड़ मची हुई है। एक के बाद एक कई नेता पार्टी छोड़ते जा रहे हैं। इन सभी नेताओं के निशाने पर पार्टी के मुखिया ओम प्रकाश राजभर हैं। शुक्रवार को मऊ में प्रदेश महासचिव लालजी राजभर समेत 50 पदाधिकारियों और 150 सदस्यों ने पार्टी से इस्तीफे दे दिया। कहा कि पार्टी अपने उद्देश्यों से विमुख हो गई है। इसलिए यह कदम उठाना पड़ा। प्रेस को जारी बयान में लालजी राजभर ने कहा कि पार्टी अपने उद्देश्यों से विमुख हो गई है।

पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष महेंद्र राजभर और डॉ. बलिराज राजभर ने भी कार्य प्रणाली एवं कार्यकर्ताओं की उपेक्षा से तंग आकर पांच सितंबर को अपने 30

महत्वपूर्ण पदाधिकारियों के साथ पार्टी से नाता तोड़ लिया। कहा कि पार्टी को पूरी तरह परिवारवादी बनाने, अति पिछड़ों, अति दलितों, गरीबों, शोषित, वंचितों की लड़ाई से विमुख होने के कारण सभी अपने पदों से त्यागपत्र दे रहे हैं। बताया कि इस्तीफा देने वालों में 50 पदाधिकारी तथा 150 कार्यकर्ता शामिल हैं। इस्तीफा देने वालों में मुख्य रूप से रामू राजभर, रमेश सिंह चौहान, देवदत्त यादव, बृजेश राजभर, सुरेशनाथ चौहान, दीनानाथ भारती, रामनिवास राजभर, सूरज राजभर, विश्राम राजभर, राजेश, सुरेश प्रजापति अन्य पदाधिकारी तथा कार्यकर्ता रहे।

ओमप्रकाश राजभर को समाज से कोई लेना देना नहीं

प्रदेश के कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर ने कहा कि सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर का समाज से कोई लेना देना नहीं है। उनके लिए पार्टी का मतलब स्वयं, पुत्र और परिवार है। वे स्वार्थ के लिए जिसको गाली देते हैं, उसके साथ भी चले जाते हैं। अनिल राजभर गोरखपुर से बलिया जाते समय माउरबोझ में भाजपा के जिला उपाध्यक्ष मुन्ना राजभर के आवास पर मीडिया से बात कर रहे थे। कहा कि ओमप्रकाश राजभर ने महाराजा सुहेलदेव के नाम पर राजनीति शुरु की लेकिन अपने स्वार्थों के लिए उन्हीं के आदर्शों को छोड़ दिया। अपने समाज के लोगों की मेहनत, समर्पण का दुरुपयोग ओमप्रकाश राजभर अपने परिवार के विकास के लिए कर रहे हैं।

यूपी सरकार बताए, प्रेस मान्यता समिति गठित हुई या नहीं : हाईकोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा है कि चार जुलाई 2008 के शासनादेश के तहत यूपी प्रेस मान्यता समिति का गठन हुआ है या नहीं। कोर्ट ने 30 सितंबर तक जानकारी मांगी है। यह आदेश न्यायमूर्ति मनोज मिश्र तथा न्यायमूर्ति विकास बुधवार की खंडपीठ ने ऑल इंडिया प्रेस रिपोर्टर वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष आचार्य श्रीकांत टीएस व अन्य की याचिका पर दिया है। मामले में प्रेस मान्यता समिति के गठन के लिए विज्ञापन निकाला गया था।

प्रदेश के तमाम संगठनों के साथ ऑल इंडिया प्रेस रिपोर्टर वेलफेयर एसोसिएशन ने भी आवेदन किया है। किन्तु कोई कार्यवाही आगे न बढ़ते देख एसोसिएशन ने फरवरी 2022 में एक याचिका दाखिल की, जिसमें कोर्ट ने सरकार से मान्यता समिति के गठन के लिए जवाब मांगा। निदेशक सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की तरफ से बताया गया था कि प्रदेश में विधानसभा चुनाव

के कारण आचार संहिता लागू है। नई सरकार बनने के बाद ही प्रेस मान्यता समिति का गठन करने की कार्यवाही हो पाएगी। इस जानकारी के बाद कोर्ट ने यह कहते हुए याचिका निस्तारित किया था कि यदि सरकार बनने के बाद मान्यता समिति गठित नहीं होती तो याची फिर याचिका दायर कर सकता है। इसके बावजूद यूपी मान्यता समिति का गठन नहीं हो पाया। पुनः ऑल इंडिया प्रेस रिपोर्टर वेलफेयर एसोसिएशन (ऐप्रवा) के अध्यक्ष वरिष्ठ पत्रकार आचार्य श्रीकांत शास्त्री की तरफ से याचिका दाखिल किया गया है।

बीजेपी सांसद रीता बहुगुणा को कोर्ट से राहत

» 14 साल पहले दर्ज हुई एफआईआर रद्द करने का दिया आदेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने भाजपा सांसद डॉक्टर रीता बहुगुणा जोशी को 14 साल पहले दर्ज हुई प्राथमिकी के मामले में राहत दी है। कोर्ट ने उनके खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को रद्द कर दिया। यह आदेश न्यायमूर्ति सुनीत कुमार एवं न्यायमूर्ति सैयद वैज मियां की खंडपीठ ने डॉ. जोशी की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया है। सांसद के खिलाफ 2008 में तत्कालीन तहसीलदार विजय शंकर मिश्र ने सिविल लाइंस थाने में एफआईआर दर्ज कराई थी।

उन पर आरोप लगाया था कि उन्होंने बतौर महापौर अपने अधिकारों का दुरुपयोग किया। उन्होंने अन्य आरोपियों के साथ मिलकर फतेहपुर बिछुआ स्थित प्लॉट संख्या 408 की भूमि को खुर्द बुर्द कर दिया। डॉ. रीता बहुगुणा जोशी की ओर से तर्क दिया गया कि प्राथमिकी दुर्भावना से प्रेरित थी। मामले में सीबीआई ने जांच की थी। सीबीआई जांच के संबंध में एफआईआर दर्ज कराई गई थी और विवेचना के बाद आरोप पत्र भी दाखिल किया गया था। उस चार्जशीट में याची का कहीं भी नाम नहीं था और न ही उसकी कोई संलिप्तता ही बताई गई थी।

प्रदेश में सियासी जमीन मजबूत करने में जुटे शिवपाल, निकाय और आम चुनाव पर फोकस

» आदित्य को प्रदेश अध्यक्ष बना तैयार की नयी रणनीति

» पार्टी अपने चुनाव चिन्ह पर लड़ेगी चुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव में करारी शिकस्त के बाद प्रसपा प्रमुख शिवपाल यादव ने सपा गठबंधन से अपनी राहें अलग कर ली हैं। अब वे एक बार फिर अपनी पार्टी का जनाधार मजबूत करने में जुट गए हैं। पिछले दिनों उन्होंने न केवल पदाधिकारियों की नियुक्ति की बल्कि अपने बेटे आदित्य को प्रदेश की कमान भी सौंप दी। प्रसपा प्रमुख निकाय और लोक सभा चुनाव में अपने प्रत्याशियों को उतारेंगे और अपने पार्टी के सिंबल पर चुनाव लड़ेंगे।

सपा से अलग होने के बाद शिवपाल सिंह यादव ने नवंबर 2018 में प्रगतिशील समाजवादी पार्टी (लोहिया) का गठन किया था। वह खुद राष्ट्रीय अध्यक्ष बने और सुंदरलाल लोधी को प्रदेश अध्यक्ष बनाया था। विधान सभा चुनाव 2022 से ठीक पहले शिवपाल सिंह ने पार्टी से इस्तीफा दिया और सपा की सदस्यता ले ली। टिकट वितरण के दौरान मची उठापटक के बीच शिवपाल के खास लोगों ने प्रसपा छोड़ दी। चुनाव बीता और सपा से अलगाव हुआ तो पार्टी ने नए सिरे से मंथन शुरू किया गया। मई में पार्टी की सभी कार्यकारिणी भंग कर नए सिरे से पुर्नगठन की कवायद शुरू की गई थी। इसी बीच विभिन्न फ्रंटल संगठनों के प्रदेश अध्यक्ष घोषित किए गए लेकिन मुख्य कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष की घोषणा नहीं की गई थी। बाद में राष्ट्रीय महासचिव आदित्य यादव को प्रदेश अध्यक्ष बनाने की घोषणा की गई। साथ ही कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को लोगों के बीच जाकर संवाद स्थापित करने के निर्देश दिए गए। दरअसल, शिवपाल चाहते हैं कि निकाय और लोक सभा चुनाव के पहले पार्टी की सियासी जमीन को प्रदेश मजबूत किया जा जाए ताकि बेहतर प्रदर्शन हो सके। उनका कहना है कि प्रदेश के सभी जनपदों में प्रसपा संगठन तैयार हो चुका है। प्रसपा के कार्यकर्ताओं को पार्टी द्वारा निकाय चुनाव और 2024 के लोकसभा चुनाव में चुनाव लड़ने का मौका दिया जाएगा।

सपा के खिलाफ चुनाव लड़ेगी प्रसपा

शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि मैनपुरी लोक सभा सीट से सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव के खिलाफ प्रसपा चुनाव नहीं लड़ेगी लेकिन अगर सपा का कोई और प्रत्याशी लड़ेगा तो प्रसपा उसके सामने चुनाव जरूर लड़ेगी। प्रसपा निकाय और लोक सभा चुनाव पार्टी के चुनाव चिन्ह पर ही लड़ेगी।

भाजपा पर हैं हमलावर

प्रसपा प्रमुख शिवपाल यादव महंगाई और बेरोजगारी को लेकर भाजपा पर लगातार हमला कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि महंगाई की तरफ सरकार ध्यान नहीं दे रही है। भाजपा सरकार लोक तंत्र की हत्या कर रही है। प्रसपा ही गांव और गरीब की लड़ाई लड़ रही है। प्रसपा का संगठन गांव स्तर तक तैयार किया जा चुका है। पार्टी के निर्णय कार्यकर्ताओं की राय पर ही लिए जाएंगे। प्रदेश में व्याप्त भ्रष्टाचार के विरोध में आंदोलन छेड़ेंगे।

चुनाव प्रबंधन में दक्ष 200 भाजपा पदाधिकारी साधेंगे गुजरात विधान सभा इलेक्शन

» चुनाव मैनेजमेंट को मजबूत करने को लेकर भाजपा तैयारियों में जुटी

» जमीन तैयार करने के लिए काशी में प्रबंधन टीम तैयार कर रही रणनीति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी की ओर से गुजरात में आगामी विधान सभा चुनाव के लिए विशेष रणनीति इन दिनों काशी यानी वाराणसी में तैयार हो रही है। इस साल के अंत तक गुजरात में विधान सभा चुनाव होना है। इस लिहाज से गुजरात के चुनाव की जमीन तैयार करने के लिए काशी में रणनीति भाजपा की चुनाव प्रबंधन टीम तैयार कर रही है। काशी में विकास की जमीन पीएम के प्रयास से तैयार होने के बाद अब ब्रांड बनारस को गुजरात में भाजपा पेश कर विकास की रूपरेखा की हकीकत बताने काशी के भाजपा पदाधिकारियों को चुनाव के मैदान में रणनीति तैयार करने के लिए उतारने जा रही है।

इसके लिए काशी में इन दिनों पदाधिकारियों की सूची तैयार की जा रही है। भारतीय जनता पार्टी हर चुनाव को बहुत गंभीरता से लेती है। यही कारण है कि गुजरात विधान सभा चुनाव के लिए पार्टी ने तैयारी शुरू कर दी है। इसी क्रम में पूर्वांचल समेत उत्तर प्रदेश के चुनाव मैनेजमेंट में दक्ष 200 पदाधिकारियों को गुजरात भेजा जाएगा। पूर्व में भी इन दक्ष पदाधिकारियों की भूमिका की सराहना पार्टी स्तर पर हो चुकी है। ऐसे में भाजपा काशी के इन पदाधिकारियों को गुजरात का चुनाव काफी बारीक नजरिए से लड़ाने के लिए तैयारी कर रही है। भाजपा की ओर से जल्द ही इनकी सूची भी जारी की जा सकती है। इन दिनों वाराणसी से भाजपा के पदाधिकारियों की सूची भाजपा के शीर्ष पदाधिकारियों की ओर से तैयार की जा रही है। ऐसे पदाधिकारियों का नेतृत्व करने के लिए प्रदेश उपाध्यक्ष प्रकाश पाल और प्रदेश मंत्री शंकर गिरी को जिम्मेदारी दी गई है। दोनों नेतृत्वकर्ता इसके लिए गुजरात में आयोजित एक बैठक में भाग ले चुके हैं। पार्टी का मानना है कि कुछ पदाधिकारियों ने 2014, 2017, 2019 और 2022 के लोक सभा व विधान सभा समेत पंचायत व निकाय चुनाव में मिली सफलता में विशेष योगदान दिया था। उन्हीं में से पार्टी के लिए समर्पित व योग्य पदाधिकारियों का चयन किया जाएगा।

2014 से चल रहा विजय रथ

यूपी में भाजपा का विजय रथ चल रहा है। 2014 के बाद से लगातार हर चुनाव (2014 और 2019 में लोक सभा, 2017 और 2022 में विधान सभा चुनाव) जीत रही है। वहीं राज्य की प्रमुख विपक्षी पार्टियां समाजवादी पार्टी और बसपा अभी सक्रिय नहीं दिख रही है। सपा आजमगढ़ और रामपुर लोक सभा उपचुनाव में मिली हार, ओमप्रकाश राजभर और केशव देव मौर्य जैसे नेताओं के गठबंधन से बाहर जाने और चाचा शिवपाल सिंह यादव की तल्ख बयानबाजियों से जूझती नजर आ रही है।

2024 की जंग में यूपी की भूमिका अहम

सूत्र बताते हैं कि प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी की ताजपोशी के पीछे भाजपा ने बड़ा सियासी दांव इसीलिए चला ताकि गुजरात चुनाव भी साधा जा सके। खास बात यह है कि दिल्ली की सत्ता की लड़ाई में उत्तर प्रदेश की भूमिका सियासी नजरिए से सबसे महत्वपूर्ण होती है। 2014 और 2019 के लोक सभा चुनाव में दिल्ली की सत्ता पर भाजपा की मजबूत पकड़ बनाने में उत्तर प्रदेश ने सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उत्तर प्रदेश में विधान सभा चुनाव जीतने के बाद अब भाजपा ने गुजरात चुनाव के साथ 2024 के लोक सभा चुनावों पर नजरें गड़ा रखी हैं। उत्तर प्रदेश में लोक सभा की 80 सीटें दिल्ली की सत्ता का फैसला करने में एक बार फिर प्रमुख भूमिका निभाएंगी। वहीं गुजरात में भाजपा कांग्रेस को फिर से पटखनी देने की तैयारी में है।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश की चुनावी राजनीति

यदि 2022 विधान सभा चुनावों को देखा जाए तो किसान आंदोलन और जाटों की नाराजगी की खबरों के बीच भाजपा शानदार प्रदर्शन करने में कामयाब रही थी। हालांकि 2017 की अपेक्षा भाजपा को 15 सीटों का नुकसान सहना पड़ा मगर सपा-रालोद गठबंधन के बावजूद विपक्ष भाजपा को भी पछाड़ने में विफल साबित हुआ। 2017 के विधान सभा चुनाव में भाजपा पश्चिमी उत्तर प्रदेश के 24 जिलों की 126 में से 100 सीटों पर जीत हासिल करने में कामयाब रही थी और पार्टी की सफलता का स्ट्राइक रेट 79 फ़ीसदी था। 2022 के विधान सभा चुनाव में भाजपा पश्चिमी उत्तर प्रदेश की 126 में से 85 सीटें जीतने में कामयाब रही। 2022 में भाजपा की सफलता का स्ट्राइक रेट 67 फीसदी रहा। 2022 के चुनाव में भाजपा आगरा, मथुरा, गाजियाबाद और गौतमबुद्धनगर जैसे कुछ जिलों में सभी सीटों पर जीत हासिल करने में कामयाब रही। पश्चिमी उत्तर प्रदेश की इस जीत के पीछे भूपेंद्र सिंह चौधरी की मेहनत को भी बड़ा कारण माना जाता रहा है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

बारिश, विकास और लचर तंत्र

"प्रदेश की राजधानी लखनऊ में हुई भारी बारिश ने सरकार के विकास कार्यों और नगर निगम की सब-कुछ दुरुस्त बताने के दावों की पोल खोल दी है। खुद मंडलायुक्त को नगर निगम के कागजी खानापूर्ति से दो चार होना पड़ा। जलभराव के कारण अधिकांश शहर टापू में तब्दील हो गया। इसके कारण लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।"

प्रदेश की राजधानी लखनऊ में हुई भारी बारिश ने सरकार के विकास कार्यों और नगर निगम की सब-कुछ दुरुस्त बताने के दावों की पोल खोल दी है। खुद मंडलायुक्त को नगर निगम के कागजी खानापूर्ति से दो चार होना पड़ा। जलभराव के कारण अधिकांश शहर टापू में तब्दील हो गया। इसके कारण लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। जिला प्रशासन को स्कूल-कॉलेज तक बंद करने के आदेश देने पड़े। सवाल यह है कि शहर की व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए आवंटित भारी भरकम बजट कहां खर्च हो रहा है? हर साल बारिश में शहर के तमाम नाले उफनाने क्यों लगते हैं? जल निकासी की पर्याप्त व्यवस्था आज तक क्यों नहीं की जा सकी? इस बदइंतजामी का जिम्मेदार कौन है? नगर निगम क्या कर रहा है? क्या शहरों की व्यवस्था दुरुस्त करने की जिम्मेदारी संभालने वाला नगर निगम महज जनता से टैक्स वसूलने का जरिया बनकर रह गया है? क्या भ्रष्टाचार ने पूरे तंत्र को चौपट कर दिया है? क्या ऐसे ही शहर स्मार्ट और स्वच्छ बनेगा?

प्रदेश में सरकारें बदलती रहीं लेकिन लखनऊ समेत तमाम शहरों की व्यवस्था नहीं बदली। हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं। हर साल बारिश में पहले से स्थितियां खराब हो रही हैं जबकि शहर को दुरुस्त करने की जिम्मेदारी नगर निगम और नगर पालिकाओं को सौंपी गयी है। प्रदेश की राजधानी लखनऊ की हालत बेहद खराब है। आज तक यहां जल निकासी की उचित व्यवस्था नहीं की जा सकी है लिहाजा बारिश के समय अधिकांश इलाकों में जलभराव हो जाता है। हालांकि हर बार मानसून के मौसम के पहले नगर निगम नालों की सफाई के तमाम दावे करता है। कागज में सब-कुछ दुरुस्त दिखाया जाता है। बावजूद इसके बारिश होते ही सड़कें लबालब हो जाती हैं। नाले उफनाने लगते हैं और इसकी गंदगी गली-मुहल्लों तक पहुंच जाती है। पुराने लखनऊ में हालत और भी खराब हैं। यहां बारिश के समय नाली-नालों का पानी लोगों के घरों तक पहुंच जाता है। पॉश इलाके तक टापू में तब्दील हो जाते हैं। जाहिर है नगर निगम की लापरवाही के कारण हालात बिगड़ रहे हैं। यह हाल तब है जब भारी भरकम धनराशि अकेले नालों की सफाई पर खर्च की जाती है। जाहिर है लापरवाही और भ्रष्टाचार ने पूरी व्यवस्था को चौपट कर दिया है। यूपी सरकार यदि शहरों की व्यवस्था दुरुस्त करना चाहती है तो उसे न केवल विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार को खत्म करना होगा बल्कि ऐसे लोगों को चिन्हित कर कड़ी कार्रवाई भी करनी होगी। साथ ही संबंधित विभाग को जवाबदेह बनना होगा अन्यथा प्रदेश के शहरों को स्मार्ट बनाना बस सपना बनकर रह जाएगा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

भारत जोड़ो यात्रा से कांग्रेस को उम्मीद

नीरजा चौधरी

राहुल गांधी के नेतृत्व में चल रही भारत जोड़ो यात्रा एक अच्छी पहल है क्योंकि आज पार्टी बहुत खस्ताहाल है। इससे पार्टी के उभरने की उम्मीद जगी है। यात्राएं करने, लोगों के बीच जाने, उनकी बात जानने-समझने के अलावा उभार का कोई और रास्ता नहीं है। देखने की बात यह होगी कि इस यात्रा का असर आखिरकार क्या होता है। इसी के साथ कांग्रेस में दो घटनाक्रम भी चल रहे हैं- कांग्रेस से नेताओं का पलायन जारी है और पार्टी अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया चल रही है। अभी गोवा में 11 कांग्रेसी विधायकों में से आठ भाजपा में चले गये। ऐसे में भाजपा की इस आलोचना में दम है कि जब कांग्रेस अपनी पार्टी को ही एकजुट नहीं रख सकती है, तो फिर वह भारत को क्या जोड़ेगी।

कांग्रेस के नेताओं-कार्यकर्ताओं में भावना घर कर गयी है कि पार्टी में उनका भविष्य नहीं है और शायद पार्टी का ही भविष्य नहीं है। वहीं कांग्रेस का आरोप है कि दलबदल कराने के लिए पैसे का लेन-देन हो रहा है या सरकारी एजेंसियों का बेजा इस्तेमाल किया जा रहा है पर पार्टी को एकजुट रखने की बुनियादी जिम्मेदारी तो पार्टी नेतृत्व की ही है। ऐसी पृष्ठभूमि में भारत जोड़ो यात्रा और भी जरूरी हो जाती है। यात्रा की शुरुआत अच्छी हुई है और लोगों की प्रतिक्रिया भी उत्साहजनक है। जहां तक कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव की बात है तो पिछले दिनों के बयानों से लगता है कि किसी एक नाम पर आम सहमति बन जायेगी और वह नाम राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का है। वे अनुभवी हैं, उनमें राजनीतिक ठहराव है और वे गांधी परिवार के भी विश्वसपात्र हैं। हालांकि जो भी कांग्रेस अध्यक्ष होगा, उसे गांधी परिवार के साथ कदमताल करते हुए चलना होगा क्योंकि कांग्रेस बिना गांधी परिवार के ठप पड़ जायेगी। आज तो स्थिति यह है कि गांधी परिवार के बावजूद भी कांग्रेस ठप पड़ी हुई है। मेरा मानना है कि भारत जोड़ो यात्रा में केवल राहुल गांधी को प्रोजेक्ट करना सही नहीं है क्योंकि राहुल चाहे जितने भी भले और प्रतिबद्ध हों, पर जनता के बीच उन्हें समुचित स्वीकार्यता नहीं मिल सकी।

अब तक के अनुभव यही बताते हैं कि कांग्रेस राहुल को जितना आगे करती है, उसका उतना ही अधिक लाभ नरेंद्र मोदी और भाजपा को होता है। वे यह भी नहीं कह रहे हैं कि वे आगे बढ़कर पार्टी की कमान संभालेंगे पर बीते दो-ढाई सालों से पार्टी के सारे निर्णय वे ही ले रहे हैं। इसी वजह से कांग्रेस में असंतुष्ट खेमा बना जो यह

कह रहा था कि फैसले राहुल ले रहे हैं और किसी से कोई सलाह नहीं ली जा रही है अगर इस यात्रा को अधिक प्रभावी बनाना था तो दस-बारह जगहों से विभिन्न नेताओं के नेतृत्व में यात्रा निकाली जानी चाहिए थी। तब कांग्रेस का ब्रांड आगे होता और यह संदेश जाता कि वह ऐसी पार्टी है, जिसे शासन चलाना आता है। केवल राहुल को प्रोजेक्ट करने से फायदा नरेंद्र मोदी को होगा। इस यात्रा से जो भी हासिल होगा वह तो बोनस होगा, पर इसका मुख्य उद्देश्य राहुल को एक गंभीर नेता के रूप में स्थापित करना है।

यात्रा से कुछ फायदा पार्टी को तो होगा क्योंकि पार्टी में उत्साह का संचार हुआ है और समर्थकों में हलचल हो रही है. यह कहा जा रहा है कि इस यात्रा को अधिक समय उन राज्यों में देना चाहिए था, जहां भाजपा बेहद मजबूत स्थिति में है लेकिन वैसा होता, तो वह अपनी कमजोरी का प्रदर्शन करना होता। उत्तर प्रदेश में पार्टी का न तो संगठन है और न समर्थक आधार। गुजरात में नहीं जाने का निर्णय शायद किसी राजनीतिक रणनीति के तहत लिया गया है। हम यह भी देख रहे हैं कि भारत छोड़ो यात्रा के समानांतर विपक्षी दलों को एकजुट करने की कवायद भी कुछ तेज होती दिख रही है। यह स्थापित तथ्य है कि बिना एकता के विपक्ष यह लड़ाई लड़ भी नहीं सकता है पर इन पार्टियों में इतनी दरारें हैं कि अभी तक विपक्षी दल एकजुट नहीं हो पाये हैं। ऐसी स्थिति में नीतीश कुमार ऐसे व्यक्तित्व हैं जो सभी को स्वीकार्य हो सकते हैं। कांग्रेस भी उन्हें स्वीकार कर सकती है क्योंकि उनसे उसे सबसे कम खतरा होगा। नीतीश कुमार पूर्व कांग्रेसी नहीं हैं और वे समाजवादी पृष्ठभूमि से आते हैं। पूर्व कांग्रेसियों से पार्टी अपने भविष्य के लिए खतरा देख सकती है। नीतीश की छवि भी अच्छी है और वे अनुभवी भी हैं। अधिकतर विपक्षी दलों को राहुल स्वीकार्य नहीं हैं तो वे किसी और कांग्रेसी के नाम पर भी सहमत नहीं होंगे। कांग्रेस भी किसी और को आगे कर पार्टी के भीतर नया सत्ता केंद्र नहीं बनाना चाहेगी। यह भी देखना होगा कि भारत जोड़ो यात्रा का विपक्षी एकता के प्रयासों पर क्या प्रभाव पड़ता है लेकिन सबसे जरूरी यह है कि भारत जोड़ो यात्रा पहले कांग्रेस में ऊर्जा व गति का संचार करे।

भारतीय नौसेना का भूला बिसरा पन्ना

सी. उदय भास्कर

समुद्री नौवहन क्षमता को बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री मोदी का यत्न काबिलेतारीफ है वर्ना हम अपनी अपार सागरीय क्षमता का न्यूनतम फायदा ही उठा पा रहे हैं और यह स्थिति हमारे समृद्ध नौवहनीय इतिहास से मेल नहीं खाती। पहले स्वदेश निर्मित एयरक्राफ्ट कैरियर आईएनएस विक्रांत के सेवा आरंभ समारोह में पीएम के चरित्र की पहचान बन चुके जोश की इस मौके पर झलक साफ दिखाई दी। इस अवसर पर मोदी ने कहा 'वैदिक काल से लेकर गुप्त एवं मौर्य काल तक भारत की नौवहनीय ताकत दुनियाभर में जानी जाती थी। छत्रपति वीर शिवाजी महाराज ने ऐसी सशक्त नौसेना बनाई जिससे दुश्मन कांपते थे'।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने नौसेना में नया प्रतीक ध्वज शामिल करते हुए कहा, 'मैं यह नया ध्वज नौसेना के पितामह छत्रपति वीर शिवाजी को समर्पित करता हूं'। मध्ययुगीन भारतीय इतिहास में गौरवमयी स्थान रखने वाले इस मराठा योद्धा सम्राट की सागरीय श्रेष्ठता का ऐसा आभामय यशगान सच्ची तारीफ है। कई विशेषज्ञों की इस पर राय अलग हो सकती है कि क्या मराठों की नौसैन्य क्षमता जलीय न होकर अधिकांशत: तटीय थी? किंतु मराठा नौसेना प्रमुख कान्होजी आंग्रे (1669-1729) एक सख्तजान समुद्री योद्धा थे और दुश्मन के विशालकाय जहाजों को छोटे जहाजों से घेरकर बर्रों की तरह टूट पड़ने की उनकी रणनीति शायद दुनिया के आरंभिक उदाहरणों में एक थी, जिसका पता पुर्तगालियों के समुद्री बेड़े के हश्र से चलता है। इस रणनीति की तारीफ करते हुए 20वीं सदी के आरंभ में ब्रिटिश इतिहासकार, सीए किनकैड ने कान्होजी आंग्रे को अपने वक्त की बड़ी नौसैन्य शक्तियों जैसे अंग्रेज, डच और पुर्तगाल, सब पर एक-समान विजय पाने वाला महानायक बताया है, जिनकी तूती अरब सागर में बोला करती थी।

मराठा नौसेना के इतिहास के इस अध्याय को जिंदा रखने के लिए भारतीय नौसेना ने अपने तटीय संस्थानों का नाम इतिहास के नायकों को समर्पित किया है, मुंबई में आईएनएस आंग्रे और लोनावला में आईएनएस शिवाजी (एक प्रमुख नौसैन्य इंजीनियरिंग प्रशिक्षण केंद्र) है। शिवाजी के समकालिक केरल के राजा जमोरीन थे, इन्होंने भी नौसेना में अच्छा-खासा निवेश किया था। उन्होंने मरक्कड़ों की सेवाएं ली, जिनकी वंशावली एक समय मिस्र की नामी जल-सैनिक जाति से जुड़ी थी, वे जमोरिन हुकूमत के हितों की रक्षार्थ नौसैन्य शक्ति प्रदान करते थे और इस कार्य में काफी सफल रहे। एडमिरल पूर्व नौसेनाध्यक्ष अरुण प्रकाश कहते हैं, 'लगभग आधी सदी तक समुद्र में पुर्तगालियों के दबदबे के विरुद्ध सैन्य अभियान चलाकर जमोरिनों और मरक्कड़ों ने इस कदर संतुलन बिगाड़ा कि उन्हें थककर उत्तर में गोवा को ठिकाना बनाना पड़ा'। नौसेना ने मुंबई में तटीय संस्थान का नामकरण आखिरी मरक्कड़ नौसेनापति के नामपर आईएनएस कुंजली रखा गया। यहां प्रधानमंत्री द्वारा मौर्यकाल का जिक्र करना भी मौजूं है। रोम और मौर्य साम्राज्य के बीच ईसा पूर्व 325-180 में व्यापारिक संपर्क होने के पुख्ता सुबूत हैं। इतिहासकार प्लिनी ने भारत से सिल्क और मसालों के आयात की एवज में रोम का शाही खजाना खाली होने का जिक्र किया है। आंध्र-सातवाहन (ईसा पूर्व 200-180) नामक एक अन्य राजवंश था। अपने वक्त में उनके समुद्री बेड़ों की पहुंच बहुत प्रभावशाली थी लेकिन अफसोस कि हमारे पास उनके नौसैन्य इतिहास का सटीक रिकॉर्ड नहीं है। ईसा उपरांत पहली सहस्राब्दी में, चोल साम्राज्य (सन 900-1200) ने अपनी जलीय सीमाओं का विस्तार आधुनिक तमिलनाडु-कर्नाटक तटों से लेकर दक्षिण-पूर्व एशिया और कुछेक हिंद महासागरीय द्वीपों तक किया। उनके पास गहरे महासागर में अभियान चलाने में सक्षम नौसैना थी जोकि व्यापारिक जहाजों को सुरक्षा एवं संरक्षण प्रदान करती थी। एक वक्त, बंगाल की खाड़ी को 'चोल झील' कहा जाता था। इतिहास की ये सुनहली उपलब्धियां पीएम मोदी के भाषण का हिस्सा बनी चाहिए थी। जहां भारत के पुरातन और मध्यकालीन इतिहास को तोड़ा-मरोड़ा गया है और औपनिवेशिक शासकों द्वारा छांटकर चुनींदा व्याख्याएं की गईं वहीं 1947 के बाद पिछले 75 सालों में अनुसंधान और छात्रवृत्ति देने वाला तंत्र कुछ इस तरह फला-फूला कि राष्ट्रीय गौरव पर सीमाओं के परे की उपलब्धियों का उल्लेख गायब हुआ और जिक्र केवल अंदरूनी प्राप्तियों तक सीमित किया गया। नौवहनीय क्षेत्र में ऐसे दो उदाहरण विशेषरूप से उल्लेखनीय हैं। एक, वैश्विक मामलों में ब्रिटेन का दबदबा रहा और दूसरा, इसका औपनिवेशिक साम्राज्य नौसैन्य श्रेष्ठता के दम पर टिका रहा जबकि यह ब्रिटेन की मुख्य पड़ोसी यूरोपियन शक्तियों, खासकर फ्रांस से हुए अनेक युद्धों में ट्रैफेलगर युद्ध (1805) में मिली जीत थी, जो अंतत: ब्रिटिश श्रेष्ठता स्थापित करने में फैसलाकुन बनी। इसके एक नायक, एडमिरल लॉर्ड नेल्सन के चरित्र को आधार बनाकर दशकों तक चमत्कृत करने वाली गाथाएं चलीं। एक समय चीन भी औपनिवेशिक दोहन का शिकार बना था और 'अपमान के सौ साल' की ग्लानि से पार पाने के राष्ट्रीय प्रयासों के एक अंग के रूप में उन्होंने अपने समृद्ध इतिहास का सहारा लिया। ऐसे में मोदी के नजरिए को मूर्त रूप देने के लिए विद्यालयों और कॉलेजों के पाठ्यक्रम में भारतीय नौसैन्य इतिहास शामिल करना वांछित है लेकिन यह आसान नहीं है क्योंकि शिक्षा राज्य सरकारों का विषय है। केंद्र की भूमिका की लकीर साफ परिभाषित है, फिर अनेकानेक क्षेत्रीय संवेदनाएं बीच में आ जाती हैं।

इस तरह घर में बनाए स्प्रिंग रोल

बच्चे और बड़े सभी स्प्रिंग रोल को पसंद करते हैं। लेकिन जब भी कभी इसे घर में बनाना पड़ता है तो इसकी शीट बनाने में बड़ी मुश्किल आती है। कभी ये पतली तो कभी मोटी बन जाती है। वहीं इसमे बाजारा जैसा स्वाद भी नहीं आता। जिसकी वजह से स्प्रिंग रोल को अक्सर बाहर से ही खाना पड़ता है। अगर आपको भी स्प्रिंग रोल की शीट बनाने में दिक्कत होती है। तो मैदे की बजाय सूजी की इस्तेमाल करें। इससे ना केवल स्प्रिंग रोल की शीट आसानी से बनकर तैयार हो जाएगी। बल्कि इसका स्वाद भी बिल्कुल बाहर जैसा लगेगा। तो चलिए जानें कैसे तैयार करें वेज स्प्रिंग रोल।

पैन को करें गर्म

फिलिंग्स तैयार करने के लिए पैन को गर्म करें। इसमे तेल डालें। जब तेल गर्म हो जाए तो इसमे लहसुन को काटकर डालें। साथ में प्याज के टुकड़े डालकर भूनें। जब ये थोड़ा सा सुनहरा होने लगे तो सब्जियां डालें और भूनें। साथ में सोया सॉस, नमक, शेजवान चटनी डालकर अच्छी तरह से मिक्स करें। तेज आंच पर सारी सब्जियों को भूनने के बाद गैस बंद कर दें। इस फिलिंग्स को प्लेट में निकालकर हल्का सा ठंडा कर लें।

स्प्रिंग रोल शीट बनाने की सामग्री

स्प्रिंग रोल की शीट बनाने के लिए जरूरत होगी आधा कप सूजी, पानी, वहीं फिलिंग्स तैयार करने के लिए चाहिए पत्तागोभी बारीक कटा हुआ, हरा प्याज, गाजर बारीक कटा हुआ, नमक स्वादानुसार, तेल, तीन से चार लहसुन की कलियां, एक चम्मच सोया सॉस, एक चम्मच शेजवान चटनी, तलने के लिए तेल, एक चम्मच मैदा।

स्प्रिंग रोल बनाने की विधि

आमतौर पर स्प्रिंग रोल की शीट बनाने के लिए मैदा और अंडा वगैरह का इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन आप केवल सूजी की मदद से शीट बनाकर तैयार कर सकती हैं। एक कप सूजी को मिक्सी के जार में डालकर पीस लें। जिससे कि सूजी महीन आटे जैसी हो जाए। बस इस सूजी को पानी डालकर गूंध लें। आटे को थोड़ा कड़ा ही गूंथें। अब इस आटे की छोटी-छोटी लोई बनाकर पतली रोटी बेलें। इसे खूब पतला रखें। गैस पर तवा गर्म करें। जब तवा गर्म हो जाए तो गैस की आंच को बिल्कुल धीमा कर दें। बस तैयार शीट को तवे पर हल्का सा सेंक लें। जिससे कि रोटी का मुलायमपन खत्म हो जाए। इन सारी शीट को एक के ऊपर एक रखती जाएं। जिससे कि ये गर्माहट से मुलायम ही रहे।

सुबह के नाश्ते में बनाएं गुजराती स्टाइल ढोकले

ब्रेकफास्ट में कुछ ना कुछ स्पेशल की डिमांड हर दिन होती है। लेकिन स्वाद के साथ ही सेहत का ख्याल रखना भी जरूरी है। अगर आप ब्रेकफास्ट में बिना तेल-घी की डिश बनाने की सोच रही हैं। तो गुजराती स्टाइल ढोकलों को तैयार करें। बिना तले ये ढोकलें भाप में पकाए जाते हैं। जिसे आप भी फटाफट बना सकती हैं। केवल सुबह ही नहीं शाम की चाय के साथ भी गुजराती ढोकले काफी स्वादिष्ट लगते हैं और सेहत को भी नुकसान नहीं पहुंचाते। तो चलिए जानें कैसे तैयार होगा गुजराती स्टाइल ढोकला।

बनाने की सामग्री

चावल का आटा, सूजी, दही, सरसों के दाने, लाल मिर्च, हींग, नमक स्वादानुसार। आमतौर पर ढोकला बेसन के बैटर से तैयार किया जाता है। लेकिन ये सफेद ढोकला चावल और दही के बैटर से तैयार होगा।

बनाने की विधि

सबसे पहले चावल के आटे को किसी बाउल में निकाल लें। फिर इसमे सूजी, दही, चीनी और एक छोटा चम्मच तेल डाल दें। फिर इसे अच्छी तरह से मिक्स कर दें। इस मिश्रण को स्मूद पेस्ट के रूप में तैयार करने के लिए थोड़ा पानी डालें। फिर फेंटकर स्मूद पेस्ट बना लें। पानी को केवल जरूरत के अनुसार ही डालें। फिर नींबू का रस और एक चुटकी हींग डालकर बैटर को रात भर के लिए छोड़ दें।

हरी धनिये से सजाकर सर्व करें

अगले दिन सुबह स्टीमर को तैयार करें। अगर स्टीमर नहीं है तो भगोने में पानी भरकर ऊपर स्टील की छन्नी को रख दें। बैटर को प्लेट में फैलाकर स्टीम होने के लिए रख दें। करीब बीस मिनट बाद स्टीमर के ढक्कन को हटाकर देखें। अगर ढोकले पक गए हैं। तो इसे हटाकर ठंडा होने के लिए रख दें। ढोकले जब ठंडे हो जाए तो चाकू से काट लें। पैन में तेल गर्म करें। और इसमे सरसो के दाने चटकाएं। जब दाने चटक जाए तो इसमे साबुत लाल मिर्च डालें। करी पत्ता डालें। साथ में दो चम्मच पानी डालकर उबाल आने दें। इस तेल पानी के तड़के को ढोकलों के ऊपर डालकर नारियल और हरी धनिये से सजाकर सर्व करें।

हंसना मना है

पत्नी - तुम मुझे दो ऐसी बातें बोलो, जिनमें से एक को सुनकर मैं खुश हो जाऊं और दूसरी को सुनकर नाराज हो जाऊं पति - तुम मेरी जिंदगी हो और दूसरी बात लानत है ऐसी जिंदगी पर।

पति - पत्नी को मूवी देखने जाना था। घर के बाहर पति काफी देर से इंतजार कर रहा था। पति (चिल्लाते हुए) - अरे और कितनी देर लगाओगी? पत्नी (गुस्से में) - चिल्ला क्यों रहे हो? एक घंटे से कह रही हूं कि पांच मिनट में आ रही हूं। समझ में नहीं आता।

मां ने घबराकर बेटे को फोन लगाया और कहा - बेटा जल्दी से घर आजा, बहू को पैरालिसिस का अटैक आया है। उसका मुंह टेढ़ा, आंखे ऊपर और गर्दन घूमी हुई है। बेटा बोला - रहने दे मां, तू घबरा मत।।। वो सेल्फी ले रही है।

साइकिल वाले ने एक आदमी को टक्कर मार दी और बोला - भाई साहब आप बहुत किस्मत वाले हो। आदमी (गुस्से में) - एक तो तूने मुझे टक्कर मारी और ऊपर से मुझे किस्मत वाला कह रहे हो! साइकिल वाला - देखिए भाई साहब, आज मेरी छुट्टी है, तो साइकिल चला रहा हूं, नहीं तो मैं ट्रक चलाता हूं!

टिंकू- अगर आपकी प्रेमिका खूबसूरत, समझदार, ध्यान रखने वाली, कभी न जलने वाली और अच्छा खाना बनाने वाली हो तो उसे आप क्या नाम देंगे? पिंकू- अफवाह!

पति (किताब पढ़ते हुए) - एक लेखक ने लिखा है कि पतियों को भी बोलने की आजादी होनी चाहिए।।.!!! पत्नी (हंसते हुए) - देखो वो भी बेचारा लिख ही पाया, बोल नहीं पाया।..!!!

कहानी | गरीब किसान का धन

आज हम एक छोटी सी कहानी गरीब किसान के धन बताने जा रहे है इस छोटी सी कहानी में हमे बहुत बड़ी सीख मिलती है रामू और श्यामू दो अच्छे पडोसी थे रामू बेहद गरीब किसान था जबकि श्यामू अमीर पैसे वाला बड़े मकान का मालिक था। रामू भले ही गरीब था लेकिन वह अपने को हमेसा खुश और आराम महसूस करता था वह कभी भी रात में सोते समय कभी घर की खिड़किया या दरवाजे बंद करके नही सोता था उसे किसी भी प्रकार की चिंता नही थी वह पूरी रात आराम से गहरी नीद में सोता था और इस प्रकार उसका जीवन शांतिपूर्ण कट रहा था। जबकि इसके ठीक उलट श्यामू इतने धनवान होने के बावजूद हमेसा तनाव में रहता था वह पूरी रात खिडकियों और दरवाजो को बंद करके भी सो नही पाता था वह हमेसा इसी चिंता में रहता था की कही चोर उसके तिजोरी को तोडकर धन न चुरा ले जाए जिसके कारण उसे दिन रात बस धन की ही फिक्र लगी रहती थी। एक दिन की बात है श्यामू रामू से मिला तो श्यामू बोला तुम हमेसा गरीबी में ही रहते हो मुझसे कुछ धन ले लो और तुम भी अपना जीवन सुखपूर्वक गुजारो। इसके बाद रामू अपने पडोसी से धन पाकर बहुत खुश हुआ उसने न जाने कितने सपने देखने लगे और इस प्रकार रात भी होने को आई फिर धन को घर में छिपाकर खिड़कियों दरवाजो को अच्छी तरह से बंद करके बिस्तर पर सोने को चला गया लेकिन उसे आज नीद ही नही आ रही उसका मन बार बार मिले धन पर ही जाता था बार बार अपने धन के बारे में सोचता रहा जिसके कारण आज वह पहली बार पूरी रात सो न सका, और फिर रामू ने निश्चय किया की जिस धन के चलते मेरी नीद और सुख चली गयी हो भला वह धन मेरे किस काम के, आज सुबह ही इसको अपने मित्र श्यामू को ये धन वापस कर दूंगा और जैसे ही सुबह हुआ वह धन को लेकर श्यामू के पास आ गया और धन लौटाते हुए बोला की मित्र मै गरीब जरुर हूं लेकिन सुख से अमीर था आपके दिए पैसे ने मेरे सारे सुख चैन को गायब कर दिए ऐसे धन न होने से ही अच्छा है इसलिए इसे आप वापस अपने पास रख ले और इस प्रकार धन लौटाने के बाद फिर से रामू अपने सुख के दिनों में वापस लौट आया।

कहानी से यही शिक्षा मिलती है की धन से सबकुछ नही मिल सकता है जो भी हमे ईश्वर ने दिया है उसमे संतुष्ट होना सीखे और यदि आप ऐसा करते है तो ईश्वर द्वारा दी गयी सुखो में आप हमेसा संतुष्ट रह सकते है।

7 अंतर खोजें

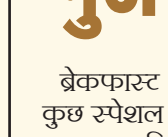

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष अपने मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान दें, जो आध्यात्मिक जीवन के लिए आवश्यक है। यही जिंदगी की समस्याएं दूर करने में सहायक सिद्ध होता है और सही सोच से इंसान को आलोकित करता है।

वृषभ ऑफिस में अपनी प्रगति के बारे में विचार करेंगे। आगे बढ़ने के लिए आप कुछ नया सीखेंगे। इस राशि के जो लोग सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र से जुड़े हुए हैं, उन्हें तरक्की के नये अवसर प्राप्त होंगे।

मिथुन आज आप घर और ऑफिस दोनों स्थानों पर शान्तिपूर्ण माहौल बनाने की कोशिश करेंगे। हालांकि अपनी निजी बातें किसी के साथ भी ना बांटे वैवाहिक संबंधो में नई ताजगी और ऊर्जा महसूस करेंगे।

कर्क गर्भवती महिलाओं के लिए आज का दिन अच्छा नहीं कहा जाएगा। चलते-फिरते समय ?सा ख्याल रखने की जरूरत है। किसी बड़े समूह में भागीदारी आपके लिए दिलचस्प साबित होगी, हालांकि आपके खर्चे बढ़ सकते हैं।

सिंह आज आपका दिन मिला जुला रहेगा। सोचे हुए काम को पूरा करने में थोड़ा टाइम लग सकता है। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। किसी पर पूरी तरह से डिपेंड होकर कोई काम न करें, तो ही अच्छा है।

कन्या आज आप आलस्य व थकान का अनुभव करेंगे। कोर्ट-कचहरी के लंबित कार्य संपन्न होंगे। प्रेमियों के लिए समय उपयुक्त नहीं है। आय में सुधार होगा। नौकरी में इच्छा विरुद्ध कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है।

तुला शारीरिक लाभ के लिए, विशेषकर मानसिक तौर पर मजबूती हासिल करने के लिए ध्यान और योग का आश्रय लें। मनोरंजन और सौन्दर्य में इजाफे पर जरुरत से ज्यादा वक्त न खर्च करें। आज गुस्से का उड़ान रोक पाना बहुत मुश्किल है।

वृश्चिक ऑफिस में किसी सहकर्मी से मदद मिल सकती है। इस राशि की महिलाएँ शॉपिंग के लिए जा सकती हैं। आज दोस्तों का भरपूर सहयोग मिलेगा। कई तरह के रोचक विचार और योजनाएँ बन सकती है।

धनु आज कोई खास काम या आकर्षक योजना आपको सारा दिन घेरे रहेगी। आपका सारा दिन इसके बारे में सोचने में ही निकल जाएगा। इसे पूरा करने में आप अपनी सारी मेहनत लगा देंगे।

मकर शारीरिक और मानसिक बीमारी की ज? दु:ख हो सकता है। अतिरिक्त आय के लिए अपने सृजनात्मक विचारों का सहारा लें। जिन्हें भावनात्मक संबल की जरूरत है, वे पाएंगे कि बड़े मदद के लिए आगे आ रहे हैं।

कुम्भ आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। अपने बिजनेस में नये प्रयोग करने में सफल होंगे। ऑफिस में अधिकारी वर्ग आपके काम की तारीफ करेंगे।आज आप जो भी सोचेंगे, उसमें आपको सफलता मिलेगी।

मीन आज आप खुद पर सयंम बना के रखें ताकि आपको कोई शारीरिक परेशानी न हो, खासकर तब जब आप दूसरों से अपनी परेशानी छुपते हैं। आप लगातार मेहनत करते रहेंगे, ताकि आप अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकें।

बॉलीवुड | मन की बात

नागार्जुन ने नागा चैतन्य-सामंथा के तलाक पर तोड़ी चुप्पी

साउथ सुपरस्टार सामंथा रुथ प्रभु और नागा चैतन्य ने पिछले साल अक्टूबर में एक-दूसरे से अलग होने की घोषणा की थी। इस खबर से हर कोई शॉक्ड था। अब हाल ही में नागार्जुन ने अपने बेटे और बहू के तलाक के बारे में खुलकर बात की है। साथ ही उन्होंने इसे दुर्भाग्यपूर्ण कहा है। नागार्जुन कहते हैं कि मेरा बेटा खुश है, बस इतना ही मैं देख रहा हूं। ये एक तरह का एक्सपीरियंस है, जो उसके साथ हुआ है। ये बहुत दुर्भाग्यपूर्ण भी है। हम इसके बारे में लगातार बात नहीं कर सकते हैं। ये हमारी लाइफ से बाहर हो चुका है। इसलिए मैं उम्मीद करता हूं कि ये किस्सा हर किसी की लाइफ से चला जाएगा। कुछ दिनों पहले सामंथा के पिता ने भी सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया था। उनके इस पोस्ट को देखने के बाद लग रहा था कि वो अभी तक बेटी के तलाक के दुख से उबर नहीं पाए हैं। उन्होंने इस पोस्ट में लिखा था, बहुत समय पहले एक कहानी थी और अब ये नहीं रही! तो चलो एक नई कहानी और एक नए चैप्टर को शुरू करते हैं। सामंथा और नागा चैतन्य 2010 में आई फिल्म ये माया चेसावे के सेट पर एक-दूसरे के प्यार में पड़ गए थे। शादी से पहले कपल ने लगभग तीन साल तक एक-दूसरे को डेट किया था। फिर 6 अक्टूबर 2017 में, दोनों शादी के बंधन में बंध गए थे। उन्होंने हिंदू और ईसाई दोनों रीति-रिवाजों से शादी की थी। शादी के 4 साल बाद 2021 में दोनों ने सोशल मीडिया पर पोस्ट के जरिए अपने अलग होने की अनाउंसमेंट की थी। सामंथा और नागा चैतन्य ने पिछले साल 2 अक्टूबर को अपने तलाक की जानकारी सोशल मीडिया के जरिए दी थी।

शर्मिला टैगोर की बायोपिक में काम करना आसान नहीं : सारा

बॉलीवुड | मसाला

बॉलीवुड की ग्रेसफुल अभिनेत्री सारा अली खान को अक्सर अपनी दादी शर्मिला टैगोर के बारे में बात करते हुए सुना गया है। वह सोशल मीडिया पर अक्सर अपनी दादी मां के साथ तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। हाल ही में सारा से जब पूछा गया कि शर्मिला टैगौर की बायोपिक में उन्हें कास्ट किया जाए, तो वह कैसे उस रोल को कैरी करेंगी? इस पर सारा ने बहुत ही खूबसूरत जवाब दिया। सारा ने कहा कि अपनी दादी मां की बायोपिक में काम करना उनके लिए आसान नहीं होगा। वह बहुत ही खूबसूरत और बेहतरीन अभिनेत्री रही हैं। सारा ने कहा वह बहुत ही सुंदर और सभ्य हैं। मुझे नहीं पता कि मैं सुंदर और सभ्य हूं या नहीं। आईएनएस एजेंसी में दिए स्टेटमेंट के अनुसार, सारा अली खान ने कहा कि वह अक्सर अपनी बड़ी अम्मा (दादी) से बात करती रहती हैं। लेकिन उनसे करियर को लेकर कभी ज्यादा बात नहीं की। सिंबा एक्ट्रेस सारा अली खान ने कहा मेरी दादी अम्मा काफी समझदार और पढ़ी लिखी हैं, तो हम दूसरी बातों के बारे में ज्यादा बात करते हैं। सारा ने बताया कि शर्मिला टैगोर को वर्तमान में हो रही चीजों की जानकारी रखना अच्छा लगता है। उनकी जनरल नॉलेज भी अच्छी है। वह बहुत ही क्लासी हैं और दुनिया के तमाम मुद्दों पर उनके एक राय है। हमारे बीच फिल्मों से हटकर इन सब पर अधिक बातचीत हुई है।

गौरतलब है कि शर्मिला टैगोर अपने जमाने की प्रतिष्ठित कलाकारों में से एक रहीं। उन्होंने कई हिट फिल्में दर्शकों को दी हैं। शर्मिला टैगोर, न केवल हिंदी सिनेमा उद्योग में जानी जाती हैं बल्कि बंगाली फिल्मों में भी अपने शानदार अभिनय की छाप छोड़ी है। बिकनी पहनने से लेकर मां के किरदार निभाने तक, उन्होंने हर कैरेक्टर को बखूबी प्ले किया है। शर्मिला टैगोर ने सत्यकाम, अराधना, देवी सहित कुछ लोकप्रिय फिल्मों में काम किया है।

आर्यन खान ने गुलाब देने वाले फैन को किया सलाम

बॉलीवुड | मसाला

शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। इसमें वह अपने पिता की स्टाइल में सलाम करते दिखाई दे रहे हैं। यह वीडियो मुंबई एयरपोर्ट का है। आर्यन को एक फैन ने रेड रोज भी दिया। आर्यन के इस वीडियो को देखकर लोग उनकी तुलना शाहरुख खान से कर रहे हैं। वहीं इस पर कई तरह के रिऐक्शंस आ रहे हैं। आर्यन खान बीते कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटोर रहे हैं। रीसेंटली उनके ऐड की तस्वीरें वायरल थीं। इस पर शाहरुख खान ने भी कमेंट किया था। वहीं पाकिस्तानी ऐक्ट्रेस सजल की वजह से भी आर्यन हेडलाइन्स में हैं। अब आर्यन का एक वीडियो वायरल है। इसमें वह एयरपोर्ट पर हैं। इस बीच एक फैन उन्हें गुलाब का फूल देता है जिसे वह एक्सेप्ट कर लेते हैं। इसके बाद पलटकर वह उसे सलाम करते हैं। वीडियो क्लिप को पपराजी विरल भैयानी ने अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया है। इस पर लोगों ने कई तरह के कमेंट्स किए हैं। एक यूजर ने लिखा है, क्या मैं अकेली हूं जिसको पिता-बेटे दोनों पर क्रश है। एक और ने लिखा है, अपने डैड की तरह सलाम कर रहा है। एक और कमेंट है, उसे कभी मुस्कुराते नहीं देखा। शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान भले ही पिछले साल काफी नेगेटिव खबरों को लेकर सुर्खियों में रहे। लेकिन अब वह पॉजिटिव वजहों से छाए रहते हैं। वहीं अब आर्यन की एक एक्ट्रेस भी दीवानी हो गई हैं और उन्होंने सोशल मीडिया पर खुद आर्यन पर प्यार लुटाया है। हम जिस एक्ट्रेस की बात कर रहे हैं वह हैं एक्ट्रेस सजल अली। सजल अली पाकिस्तानी एक्ट्रेस हैं जिन्होंने फिल्म मॉम में श्रीदेवी के साथ काम किया था। एक्ट्रेस ने दरअसल, इंस्टाग्राम स्टोरी पर आर्यन की एक फोटो शेयर की है और उस पर हवाएं गाना बैकग्राउंड पर चलाया है। इसके साथ सजल ने दिल वाला इमोजी भी पोस्ट किया है।

अजब-गजब | हर साल जापान की राजधानी टोक्टो में मनाया जाता अनोखा फेस्टिवल

जहां लोग करते हैं अपनी मौत के लिए शॉपिंग, ऐसे करते हैं सारी तैयारियां

आपने कई देशों के अलग अलग त्योहारों और फेस्टिवल्स के बारे में देखा और सुना होगा। त्योहार पर लोग जमकर शॉपिंग करते हैं, जिनमें कपड़ों से लेकर दूसरों को उपहार देना और खाने पीने की तमाम चीजें शामिल होती हैं। लोग त्योहारों का लुत्फ उठाते हैं और खूब एंजॉय करते हैं। अलग अलग देशों में अलग अलग तरह के फेस्टिवल सेलिब्रेट किए जाते हैं लेकिन क्या कभी आपने ऐसे फेस्टिवल के बारे में सुना हैं, जहां लोग अपनी मौत के लिए शॉपिंग करते हैं। जी हां ऐसा एक फेस्टिवल जापान में मनाया जाता है। इसे शुकात्सु फेस्टा के नाम से जाना जाता है। इसमें लोग अपनी मौत के लिए शॉपिंग करते है।

करते हैं मरने की तैयारियां

यह अनोखा फेस्टिवल हर साल जापान की राजधानी टोक्टो में मनाया जाता है। जापान में शुकात्सु का मतलब मौत के लिए तैयार होना होता है। इस फेस्टिवल में जो लोग आते हैं वे मरने की तैयारी करते हैं। हर कोई चाहता है कि मरने के बाद उसे अच्छी विदाई दी जाए। जापान में मनाए जाने वाले इस त्योहार में यहां तक प्रबंध किया गया है कि लोग इस फेस्टिवल में आएं और अपनी मौत के बाद की तैयारियां खुद कर सकें।

खरीदते हैं अपनी पसंद का ताबूत

इस फेस्टिवल में हर किसी को ये आजादी होती है कि वे अपनी मौत से पहले ही अपनी कब्र खुद चुन सकें और खरीद सकें। यहां तक की लोगों को ये भी आजादी है कि वो इन ताबूतों में लेटकर अपना लुक और फिट तय कर सकते हैं। इसीलिए लोग इस त्योहार के दौरान अपने लिए ताबूत खरीदते हैं और उसका नाप भी दिया जाता है। जब ताबूत बनकर तैयार हो जाता है तो लोग उसमें लेटकर भी देखते हैं कि कहीं वह छोटा या ज्यादा बड़ा तो नहीं है।

कपड़े और मेकअप का भी कर सकते हैं पसंद

रिपोर्ट के अनुसार, इस त्योहार में हर साल करीब 5000 से ज्यादा लोग शामिल होते हैं और अपनी मौत से पहले ही ताबूतों की प्री-शॉपिंग करते हैं। बता दें कि यहां लोग आते हैं तो ताबूत में लेटने पर वो कौन से कपड़े पहनेंगे, इसकी भी शॉपिंग कर लेते हैं। इतना ही नहीं लोगों को बाकायदा मेकअप भी करवाने की आजादी है। मरने के बाद ताबूत में खुद को कैसा देखना चाहेंगे, इसका भी इंतजाम होता है। लोग घंटों बैठकर पहले मेकअप करवाते हैं, ड्रेस पहनते हैं और फिर अपनी मनपसंद कब्र या यूं कहें कि ताबूत में लेटकर अपने लिए पूरा इंतजाम कर लेते हैं।

रोजाना स्कूल में पढ़ने आता है ये लंगूर क्लास में बैठता है बच्चों के साथ

सोशल मीडिया पर पशु पक्षियों के कई वीडियोज वायरल होते रहते हैं। इनमें से कुछ तो ऐसे होते हैं, जो हैरान कर देने वाले होते हैं। अब सोशल मीडिया पर एक लंगूर चर्चा में बना हुआ है। यह लंगूर एक स्कूल में रोजाना पढ़ाई करने के लिए आता है। यह मामला झारखंड के हजारीबाग जिले के चौपारण प्रखंड का है। यहां पिछले कुछ दिनों से एक लंगूर रोजाना बच्चों के साथ पढ़ाई करने क्लास में आ रहा है। झारखंड-बिहार सीमा पर मुख्यालय से 13 किलोमीटर दूर पठार और पहाड़ों के बीच उच्च विद्यालय दनुआ में ऐसा हो रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार स्कूल के प्रिंसिपल रतन कुमार ने बताया कि पिछले कई दिनों से कक्षा में पढ़ने के लिए एक लंगूर पहुंच रहा है। वह बच्चों के साथ बैठकर पढ़ाई भी करता है। स्थानीय लोग भी इस अजीबोगरीब घटना से हैरान हैं। बच्चे जब पढ़ाई कर रहे होते हैं तो लंगूर भी टीचर की बातें बड़े ही गौर से सुनता है। इतना ही नहीं जब बच्चे कॉपी में लिख रहे होते हैं तो वह उन्हें बड़े ध्यान से देखता है। बताया जा रहा है कि जब टीचर उस लंगूर को क्लास से बाहर जाने को कहते हैं तो वह जाने से मना कर देता है। जब बच्चे मैदान में होते हैं तो वो भी वहां पर आकर खड़ा हो जाता है। हालांकि वह लंगूर किसी भी बच्चे और टीचर को परेशान नहीं करता। अब बच्चे भी उसे अच्छे से जान चुके है। हालांकि प्रिंसिपल का कहना है कि लंगूर के आने से बच्चे व शिक्षक घबरा जाते हैं। प्रिंसिपल ने कहा कि बीते शनिवार को भी लंगूर आया और फिर नौवीं क्लास में बैठकर क्लास में पढ़ा रहे शिक्षक की बात ध्यान से सुनता रहा। रविवार की छुट्टी के बाद जब सोमवार को फिर क्लास लगी तो लंगूर फिर वहां पहुंच गया और बारी बारी से सभी क्लास में गया। मंगलवार को वह सातवीं क्लास में आकर आगे वाली बेंच पर बैठ गया। प्रिंसिपल ने वन विभाग को इसकी सूचना दी। वन विभाग ने उस लंगूर को पकड़ने की कोशिश की लेकिन वह उनके हाथ नहीं लगा।

हॉर्स ट्रेडिंग का नया मॉडल देश में ला रहे मोदी-शाह: सीएम गहलोत

» भाजपा की खरीद-फरोख्त की राजनीति घातक

» विपक्षी पार्टियों पर बनाया जा रहा ईडी और सीबीआई का दबाव

» राहुल की भारत जोड़ो यात्रा को मिल रहा समर्थन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने एक फिर भाजपा पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा जो देश में खरीद-फरोख्त की राजनीति कर रही है वह आने वाले समय में देश के लिए बहुत बड़ा घातक होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह हॉर्स ट्रेडिंग का नया मॉडल देश में ला रहे हैं। खरीद-फरोख्त की राजनीति अरुणाचल प्रदेश से शुरू हुई बाद में कर्नाटक, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र और अब गोवा में हो रही

है। राजस्थान में इन्होंने कोशिश की पर मुंह की खानी पड़ी थी। यह खतरनाक खेल है।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राजीव गांधी ग्रामीण खेलकूद प्रतियोगिता के समापन पर भीलवाड़ा जिले के बीगोद उपखंड पर आयोजित कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि मेरी प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से कोई जाती दुश्मनी नहीं है। मैं दिल से कह रहा हूं कि यह हॉर्स ट्रेडिंग का जो खेल खेला जा रहा है यह बड़ा खतरनाक साबित होगा। अगर आप खरीद कर राजनीति कर रहे हैं तो फिर देश में चुनाव कराए क्यों जा रहे हैं। विधायक भेड़ बकरियों की तरह बिकने के लिए तैयार रहते हैं। दुख की बात है कि विधायक बिक रहे हैं और लोग खरीद रहे हैं। कांग्रेस हो या अन्य पार्टियां सभी पर ईडी और सीबीआई का दबाव डाल कर उद्योगपतियों से पैसा लेकर इन नेताओं को खरीदा जाता है। खरीद कर अगर सरकारें, बदलेंगे तो देश में लोकतंत्र कहां रहा। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा को जबरदस्त समर्थन मिल रहा है। इससे भाजपा घबरा गई है और अब राहुल गांधी पर अटैक कर रही है।

नीतीश का भाजपा सरकार पर हमला, कहा

सहायता कम, प्रचार ज्यादा करता है केंद्र

अपने बूते बनाएंगे मेडिकल कालेज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

आरा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक बार फिर केंद्र की मोदी सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेज बनाने के लिए केंद्र से 150 से 180 करोड़ रुपये की सहायता मिलती है और शोर-प्रचार ज्यादा होता है जबकि इसके लिए भूमि उपलब्ध कराने से लेकर अन्य मद में बिहार सरकार के छह सौ से सात सौ करोड़ रुपये खर्च हो जाते हैं। इससे अच्छा है कि जहां पहले से मेडिकल कालेज बन रहे हैं, उसे देख लिया जाएगा। शेष सभी जिलों में अपने पैसे से ही मेडिकल कालेज बनवा देंगे।

उन्होंने कहा कि मानसिक आरोग्यशाला में बिहार के अलावा दूसरे राज्य के भी मरीज चिकित्सा कराने आएंगे। यहां चिकित्सा के साथ भविष्य में पोस्ट ग्रेजुएट और नर्सिंग की पढ़ाई भी शुरू की जाएगी। टेलीमेडिसिन की

सुविधा भी शुरू हो रही है। राज्य में स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में तेजी से कार्य करते हुए राज्य के सभी प्राइमरी हेल्थ सेंटर को छह बेड से 30 बेड का बनाया जा रहा है। 429 में कागजी कार्रवाई शुरू हुई थी, जिनमें से 261 में काम शुरू हो गया है और 160 की निविदा प्रक्रिया चल रही है। शेष बचे हुए का कार्य प्रगति पर है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में चाहे जितनी राशि की जरूरत हो, खर्च की जाएगी ताकि लोगों को इलाज कराने के लिए दूसरे राज्यों में नहीं जाना पड़े।

सीएम हेमंत के लाभ के पद का मामला

चुनाव आयोग से मांगी राज्यपाल को भेजी गई पत्र की प्रति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के लाभ के पद के मामले में उनके वकील ने चुनाव आयोग से राज्यपाल रमेश बैस को भेजी गई उसकी राय की एक प्रति मांगी है। सोरेन के वकीलों ने चुनाव आयोग को लिखे पत्र में कहा कि कृपया हमारे मुवक्विल को कानून के अनुसार आवश्यक कार्रवाई करने में सक्षम बनाने के लिए जल्द से जल्द राय की प्रति प्रस्तुत करें।

इससे पहले सीएम सोरेन ने गुरुवार को बैस से मुलाकात की थी और उनसे मामले के मद्देनजर विधायक के रूप में बने रहने को लेकर पिछले तीन सप्ताह से राज्य में व्याप्त भ्रम को दूर करने का आग्रह किया था। उन्होंने राज्यपाल से चुनाव आयोग के पत्र की एक प्रति भी मांगी

थी। लाभ के पद के मामले में सोरेन को विधान सभा से अयोग्य ठहराने की भाजपा की याचिका के बाद चुनाव आयोग ने 25 अगस्त को राज्यपाल को अपनी राय भेजी थी। इसके बाद से ही राज्य में राजनीतिक संकट पैदा हो गया था। हालांकि, आयोग के फैसले को अभी तक आधिकारिक आदेश की तरह जारी नहीं किया गया है, लेकिन अटकलें हैं कि चुनाव आयोग ने खनन पट्टे के संबंध में एक विधायक के रूप में मुख्यमंत्री की अयोग्यता की सिफारिश की है।

बढ़ती जा रही अमीर-गरीब की खाई

» 4पीएम की परिचर्चा में उठाए कई सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भारत की अस्सी फीसदी जनता के पास दो वक्त के खाने के पैसे नहीं है इसलिये उसे अनाज देना पड़ रहा है। लोग गरीबी और बेरोजगारी के कारण आत्महत्या कर रहे है। ऐसे दौर में अडानी दुनिया के दूसरे सबसे बड़े आदमी बन गये है। देश में यह असमानता क्यों है? इस मुद्दे पर वरिष्ठ पत्रकार एनके सिंह, अमिताभ श्रीवास्तव, दिनेश के वोहरा और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा ने एक लंबी परिचर्चा की।

अमिताभ श्रीवास्तव ने कहा कि जो खाई है अमीर और गरीब की वह बढ़ती ही जा रही है। कोरोना काल में जो आंकड़े आए, उसमें कुछ लोगों ने हजारों करोड़ की कमाई की वह भी प्रति घंटे, प्रति मिनट। इस हजारों करोड़ों

की कमाई में अडानी भी शामिल थे मगर बहुसंख्यक तबका ऐसा है, जिसने अपनी नौकरियां गंवा दी। हजारों-लाखों रोगों की नौकरी चली गई कोरोना काल के दरम्यान। रिकार्ड बुक की बात करें तो अडानी अमीर शख्स हैं ही। भारत की गिरती जीडीपी में गर्व करने की क्या बात है? क्या जो अमीर लोग हैं, वे ऐसा कुछ करेंगे कि भारत की स्थिति सुधरे। पूंजी का अपना एक चरित्र है, आकर्षण है। उद्योग-धंधे तो लगने ही चाहिए।

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

दिनेश के वोहरा ने कहा कि जो कहानी अमिताभ ने बताई है वह कड़वा सच है। आज से पांच साल पहले जो आदमी कहीं नहीं था, आज विश्व पटल में दूसरे नंबर पर है। कुछ दिन पहले तीसरे नंबर पर था। इस ग्राफ का अचानक बढ़ना, ऐसी जंप मैंने बहुत कम देखी अपनी लाइफ में। आज एयरपोर्ट किंग है। भारत सरकार ने समय-समय पर अपने नियम बदले, अडानी के फायदे के लिए और आज वे दूसरे स्थान पर पहुंच गए।

एनके सिंह ने कहा कि पिक्चर बड़ी खतरनाक है लेकिन सबसे ज्यादा हम जो देख रहे है कि मोदी इस बात पर फक्र करे कि देश बदल रहा है। पहली बार इतिहास में भारतीय है जो विश्व में दूसरे नंबर पर आ गया। 17 दिन में तीसरे से दूसरे नंबर पर। नेटवर्थ बढ़ गया है। लोग जानते हैं कि अडानी के ऊपर पीएम मोदी का हाथ है इसीलिए नेटवर्थ बढ़ रही है। रोजगार नहीं मिल रहा, नौकरी नहीं मिल रही पर शेयर मार्केट बढ़ रहा है। अदम गोडवी का एक शेर है कि मातम का नाम हाकिम ने जश्न रख दिया है... रोती है रियायत अब ताली बजा-बजाकर।

आरोपियों के घर पहुंची पुलिस ली संपत्तियों की जानकारी

» दो दलित नाबालिग बहनों की रेप के बाद कर दी गई थी हत्या

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। लखीमपुर खीरी के निघासन में दो दलित नाबालिग बहनों की दुष्कर्म के बाद हत्या के सभी छह आरोपियों के घर पुलिस पहुंची और उनकी संपत्तियों की जानकारी ली।

निघासन के सीओ संजयनाथ तिवारी का कहना है कि आरोपियों पर कठोरतम कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए मजबूत तथ्य जुटाए जा रहे हैं। निघासन थाना के सब इंस्पेक्टर जुबैर आलम ने पहले पीड़िता के गांव जाकर आरोपी छोटू के घर का ब्योरा लिया। पड़ोसियों से छोटू की संपत्ति की जानकारी ली। इसके बाद वह पांच आरोपियों के गांव लालपुर पहुंचे और वहां पर भी उन्होंने परिवार व गांव वालों से आरोपियों जुनैद, सुहेल, करीमुद्दीन, आरिफ और हफीजुर्रहमान की संपत्ति की जानकारी जुटाई।

लखीमपुर कांड

गौरतलब है कि निघासन थाना इलाके के एक गांव में बुधवार शाम अनुसूचित जाति की दो सगी बहनों की दुष्कर्म के बाद हत्या कर दी गई थी। सुबूत मिटाने के लिए दुपट्टे से बहनों का गला घोटकर एक पेड़ पर फंदे से लटका दिया था। आरोपियों से पुलिस की पूछताछ और पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी इसकी पुष्टि हुई थी। पुलिस ने मामले में पीड़िता के गांव के ही छोटू जबकि पड़ोसी गांव लालपुर के पांच आरोपियों जुनैद, सुहैल, करीमुद्दीन, आरिफ और हफीजुर्रहमान को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

वसूली यात्रा निकाल रही कांग्रेस: रमन सिंह

» छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम ने भारत जोड़ो यात्रा पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने कांग्रेस के भारत जोड़ो यात्रा पर हमला बोला है। उन्होंने अपने ट्विटर एकाउंट पर लिखा है, धमकी-चमकी यही तो असली कांग्रेस है! देश का विभाजन करने वाली कांग्रेस की भारत तोड़ो यात्रा की असलियत यही है। केरल में कांग्रेसी कार्यकर्ता सब्जी बेचने वालों तक से यात्रा के नाम पर वसूली कर रहे हैं। लगता है कांग्रेस वसूली यात्रा निकाल रही है।

डॉ. रमन सिंह ने सोशल मीडिया पर एक न्यूज एजेंसी द्वारा जारी किए गए वीडियो को भी अपने ट्वीट पर जोड़ा है। उस ट्वीट में कहा गया है कि केरल के कोल्लम में सब्जी दुकान के मालिक को कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा भारत जोड़ो यात्रा के लिए 2000 रुपये का योगदान नहीं देने पर धमकाया। गौरतलब है कि तमिलनाडु के कन्याकुमारी से 7 सितंबर को कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा का आगाज हुआ है। 3570 किलोमीटर लंबी यह यात्रा 5 महीनों में 12 राज्यों से होकर गुजरेगी।

पीएम मोदी श्रेष्ठ भारत के शिल्पकार : सीएम योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया नमो प्रदर्शनी का उद्घाटन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 72वें जन्मदिन पर देश-विदेश में अनेक आयोजन के बीच में लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान गोमतीनगर में पीएम मोदी के जीवन पर एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने छात्रा चित्र प्रदर्शनी कहानी भारत मां के सच्चे सपूत का उद्घाटन किया। प्रदर्शनी का अवलोकन करने के बाद उन्होंने वहां पर लोगों को संबोधित भी किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का जन्मदिन आज पूरा विश्व मना रहा है।

वह भारत माता के सच्चे सपूत भी हैं, जैसा इस प्रदर्शनी का शीर्षक भी है। उन्होंने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री एक भारत-श्रेष्ठ भारत के शिल्पकार है। उनके नेतृत्व में बीते गत आठ वर्षों में जनता ने जिस नए भारत की शिल्प रचना होते हुए देखी है, उससे वह इस निष्कर्ष पर पहुंच चुकी है कि पीएम मोदी ही सच्चे अर्थों में सभी की जन आकांक्षाओं के प्रतिबिंब और भारतीयता के प्रतीक हैं। पीएम मोदी के नेतृत्व की बदौलत हमें किस प्रकार से भारत के निर्माण के लिए आगे बढ़ना है, हमारे यह सभी सपने आज साकार हैं। हर व्यक्ति अपने आधार पर प्रयास आरंभ करें तो वह एक आत्मनिर्भर भारत का निर्माण कर सकता है। पीएम मोदी की बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, मुद्रा योजना, जन धन योजना तथा आयुष्मान योजना को हम देश के विकास के माडल के रूप में देख रहे हैं। उनके काम की बदौलत ही वैश्विक मंच पर भी कोई ऐसा मैंने नहीं जो भारत को अनदेखी कर दे। उन्होंने कहा कि हमें गर्व है कि पीएम मोदी उत्तर प्रदेश से लोकसभा के सदस्य हैं। उन्होंने अपने कार्यकाल में काशी को भव्य तथा नया रूप दिया है। वहां के लोग लम्बे समय तक कई मूलभूत सुविधा से वंचित थे, लेकिन जो लोग वहां सात-आठ वर्ष बाद आ रहे हैं, वह काशी के नए स्वरूप को देखकर आश्चर्यचकित हैं। पीएम मोदी ने अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति से बाबा की नगरी को काफी बदला है।

राज्यसभा में उठाएंगे फीस वृद्धि का मसला : प्रमोद तिवारी

टेक्नोलाजी वाला देश होता है सशक्त व समृद्धिशाली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी आज प्रयागराज में हैं। यहां उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया में शिक्षा मौलिक अधिकार के रूप में है। वहीं अपने देश में फीस वृद्धि कर गरीबों को शिक्षा से वंचित किया जा रहा है। सरकार और विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से ऐसा करके छात्र-छात्राओं को हतोत्साहित करने का प्रयास किया जा रहा है। वरिष्ठ कांग्रेसी नेता प्रमोद तिवारी ने सिविल लाइंस स्थित अपने आवास पर प्रेसवार्ता की।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शासन काल में 27 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर रहा करते थे। वहीं मौजूदा सरकार में गलत आर्थिक नीतियों के कारण 23 करोड़ लोग गरीबी के रेखा के नीचे वापस लौट गए हैं। 84 प्रतिशत से ज्यादा आबादी की आय घट गई है। राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी ने कहा कि मौजूदा समय में जब देश के लोग आर्थिक रूप से महंगाई के खिलाफ लड़ाई में जुटे हैं। ऐसे समय यह वृद्धि अविवेकपूर्ण व दुर्भाग्यपूर्ण तथा युवा विरोधी है। आज वही देश सशक्त होगा, जहां शिक्षा हो। पहले जिस देश की सेना बड़ी होती थी वह मजबूत होता था, शक्तिशाली होता था। आज जिसके पास शिक्षा (टेक्नोलाजी) है, वही देश सशक्त एवं समृद्धिशाली होता है। प्रमोद तिवारी ने कहा कि देश का गौरव एवं भारत का आक्सफोर्ड कहे जाने वाले इलाहाबाद विश्वविद्यालय में फीस वृद्धि तत्काल वापस ली जानी चाहिए। उन्होंने छात्र-छात्राओं से अपील करते हुए कहा कि फीस वृद्धि के खिलाफ चलाए जा रहे आंदोलन को शांतिपूर्वक ढंग से चलाया जाए। संसद के सत्र के दौरान यह मामला राज्यसभा में भी उठाया जाएगा।

बृजेश पाठक ने रक्तदान कर प्रधानमंत्री को दी जन्मदिन की शुभकामनाएं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर शनिवार को लखनऊ में रक्तदान अमृत महोत्सव का धूमधाम से आगाज हुआ। उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने सिविल अस्पताल पहुंच रक्तदान अमृत महोत्सव का शुभारंभ किया। खुद रक्तदान किया। साथ ही प्रदेशवासियों से रक्तदान की अपील की। लखनऊ के 46 स्थानों पर रक्तदान अमृत महोत्सव हो रहा है। उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने सिविल अस्पताल में सुबह रक्तदान महोत्सव का शुभारंभ किया। उन्होंने रक्तदान कर लोगों से इस नेक काम में सहभागी बनने की अपील की।

रक्तदान के बाद उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी अगवाई में देश तेजी से आगे बढ़ रहा है। तरक्की कर रहा है। गरीबों के जीवन स्तर में सुधार आ रहा है। गरीबों की कल्याणकारी योजनाएं ईमानदारी से लागू हो रही हैं। गरीबों तक योजनाओं का लाभ पहुंच रहा है। डिप्टी सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने न सिर्फ देश को आगे बढ़ाया, बल्कि जनता के सुरक्षा कवच बने। कोरोना वायरस से अपनी सूझबूझ व रणनीति से मुकाबला किया। अर्थव्यवस्था को भी बरकरार रखा। जबकि दूसरे देशों में में संक्रमण का भयानक रूप देखने को मिला। अर्थव्यवस्था भी प्रभावित हुई। डिप्टी सीएम ने कहा कि देश की जनता प्रधानमंत्री को चाहती है। हम सब ईश्वर से कामना करते हैं कि वह स्वस्थ रहें। देश को प्रगति पथ पर आगे ले जाएं। रक्तदान कर जरूरतमंदों की जान बचाने में भागीदार बने डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने कहा कि जरूरतमंद मरीजों की जान बचाने के लिए अधिक से अधिक लोग रक्तदान करें। रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं है। इस मौके पर सिविल अस्पताल के निदेशक डॉ आनंद ओझा, सीएमएस डॉक्टर आरपी सिंह ने रक्तदान के बाद डिप्टी सीएम को प्रमाण पत्र प्रदान किया।

किसानों की बढ़ेगी आय और मिलेगा रोजगार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। धान की कटाई अगले महीने से होने वाली है। कृषि यंत्रीकरण के इस दौर में अमूमन ये कटाई कंबाइन से होती है। कटाई के बाद खेतों में ही फसल अवशेष (पराली) जलाने की प्रथा रही है। हर साल धान की पराली जाने से राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) और इससे लगे पश्चिमी क्षेत्र के कई हिस्सों में कोहरा मिश्रित धुंआ आकाश में छाकर माहौल को दमघोंटू बना देता है। हालांकि पर्यावरण संबंधी सख्त नियमों और इसके सख्त क्रियान्वयन से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यकाल में पराली जलाने की घटनाएं न के बराबर हुई हैं। इसमें कानून के अलावा सरकार द्वारा चलाई गई जागरूकता एवं पराली को सहेजने वाले कृषि यंत्रों पर दिए जाने वाले अनुदान की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

फोटो : 4पीएम

सफाई अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर सफाई अभियान का शुभारम्भ करते नगर विकास मंत्री ए के शर्मा और मेयर संयुक्ता भाटिया

जनता से है भाजपा का गठबंधन : भूपेंद्र सिंह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोरखपुर। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने कहा प्रदेश में कांग्रेस अपने अंतिम दिन गिन रही है। राजनीति में उसकी भूमिका नगण्य हो गई है। 2024 के लोकसभा चुनाव में सपा-बसपा के गठबंधन को नकारते हुए प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि गठबंधन तो सिर्फ एक ही है, वह है देश व प्रदेश की जनता का भाजपा से।

ऐसे में लोकसभा चुनाव में भाजपा का भारी बहुमत से एक बार फिर सत्ता में आना तय है। प्रदेश अध्यक्ष योगीराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में पार्टी की संगठनात्मक बैठक में पदाधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। निकाय चुनाव को लेकर संगठन स्तर पर प्राथमिक तैयारी शुरू करने पर जोर देते हुए प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि इस बार भाजपा हर वार्ड, हर नगर पंचायत, हर नगर पालिका और हर नगर निगम में पूरी मजबूती से चुनाव लड़ेगी। निकाय चुनाव की दृष्टि से परिसीमन कार्य, मतदाता सूची, मतदान केंद्र व बूथ के साथ हर वार्ड के सामाजिक समीकरण को लेकर सजग रहने को सलाह उन्होंने पदाधिकारियों को दी। निकाय चुनाव के लिए घर-घर संपर्क पर उन्होंने जोर दिया। उन्होंने पदाधिकारियों से निकाय चुनाव में शत-प्रतिशत सीट जीतने के लिए जुट जाने को कहा। ऐसा सुनिश्चित करने के लिए उन्होंने पदाधिकारियों से कहा कि वह नगरीय क्षेत्र में हुए विकास कार्यों की जानकारी जनता को दें।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।